बिहार स्पेशल

बिहार विकास मिशन

चर्चा में क्यों?

बिहार विकास मिशन ने हर महीने सात निश्चय-एक और सात निश्चय-दो की महत्वपूर्ण योजनाओं के तहत जिले की उपलब्धि के आधार पर जुलाई, 2024 के लिए जिलों की रैंकिंग जारी की है।

- जारी रैंकिंग के अनुसार अररिया जिला सूची में सबसे ऊपर है, जबकि मधुबनी जिला सबसे निचले स्थान पर है।
- अररिया जिले ने 76.22%, बक्सर ने 74.90%, नालंदा ने 74.21%, मुजफ्फरपुर ने 73.41%, समस्तीपुर ने 72.77%, कैमूर ने 72.77%, लखीसराय ने 72.18%, रोहतास ने 71.16%, सीवान ने 70.06% और किशनगंज ने 68.65% उपलब्धि हासिल की है।
- सबसे निचले पांच जिले मधुबनी, मधेपुरा, वैशाली, सहरसा और बेगूसराय हैं।
- **सात निश्चय:** बिहार सरकार ने राज्य के नागरिकों की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए सात निश्चय योजना शुरू की है।

अर्थव्यवस्था

वैश्विक क्रिप्टोकरेंसी अपनाने में भारत शीर्ष पर

चर्चा में क्यों?

ब्लॉकचेन एनालिटिक्स कंपनी चेनैलिसिस की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, भारत लगातार दूसरे वर्ष क्रिप्टोकरेंसी को वैश्विक स्तर पर अपनाने में सबसे आगे रहा है।

- रिपोर्ट, जो 151 देशों में चार उप-श्रेणियों में अपनाने को ट्रैक करती है, ने दिखाया कि जून 2023 से जुलाई 2024 तक भारत केंद्रीकृत एक्सचेंज और विकेंद्रीकृत वित्तीय परिसंपत्तियों के उपयोग में उच्च स्थान पर रहा।
- कठोर नियमों और भारी व्यापार करों के बावजूद भारत में निवेशक सक्रिय रहे।
- भारत केंद्रीकृत एक्सचेंज और विकेंद्रीकृत वित्तीय परिसंपत्तियों दोनों के उपयोग में उच्च स्थान पर रहा।

नियामक चुनौतियाँ:

- भारत ने 2018 से क्रिप्टोकरेंसी पर सख्त रुख बनाए रखा है।
- वित्तीय खुफिया इकाई (FIU) ने स्थानीय नियमों का पालन न करने के लिए दिसंबर 2023 में नौ अपतटीय क्रिप्टो एक्सचेंजों को कारण बताओ नोटिस जारी किया।

व्यापक रूप से अपनाया जाना:

- भारत ने विभिन्न क्रिप्टो परिसंपत्तियों में व्यापक रूप से अपनाया जाना दिखाया, यह सुझाव देते हुए कि नए प्रतिभागियों ने उन सेवाओं का उपयोग किया जो नियमों द्वारा स्पष्ट रूप से प्रतिबंधित नहीं थीं।

रक्षा एवं सुरक्षा

भारत-ओमान संयुक्त सैन्य अभ्यास "अल नजाह"

चर्चा में क्यों?

भारतीय सेना की टुकड़ी भारत-ओमान संयुक्त सैन्य अभ्यास "अल नजाह" के 5वें संस्करण के लिए रवाना हो गई है।

- यह अभ्यास 13 से 26 सितंबर 2024 तक ओमान के सलालाह में रबकूट प्रशिक्षण क्षेत्र में आयोजित किया जाना है।
- अल नजाह अभ्यास 2015 से प्रति दो वर्ष में आयोजित किया जाता रहा है, जो भारत और ओमान के बीच बारी-बारी से आयोजित किया जाता है।इसी अभ्यास का पिछला संस्करण राजस्थान के महाजन में आयोजित किया गया था।

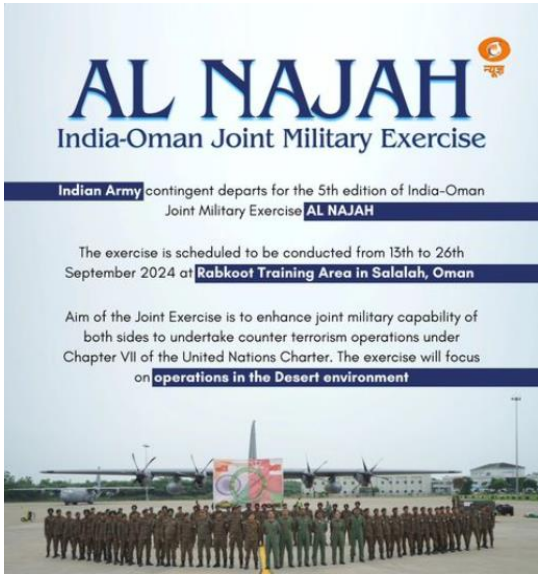

चर्चित योजनाएं

AB PM-JAY के तहत वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वास्थ्य कवरेज

चर्चा में क्यों?

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने, 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को, चाहे उनकी आय कुछ भी हो, प्रमुख योजना आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (AB PM-JAY) के तहत स्वास्थ्य कवरेज को मंजूरी दी है।

- इसका उद्देश्य लगभग 4.5 करोड़ परिवारों को लाभ पहुंचाना है, जिसमें छह (6) करोड़ वरिष्ठ नागरिकों को परिवार के आधार पर 5 लाख रुपये का निःशुल्क स्वास्थ्य बीमा कवर दिया जाएगा।

पात्रता और कवरेज:

- सामाजिक-आर्थिक स्थिति की परवाह किए बिना 70+ आयु के सभी वरिष्ठ नागरिक पात्र हैं।
- पात्र वरिष्ठ नागरिकों के लिए AB PM-JAY के तहत नया विशिष्ट कार्ड जारी किया गया।
- AB PM-JAY के तहत पहले से ही कवर किए गए वरिष्ठ नागरिकों को प्रति वर्ष ₹5 लाख का अतिरिक्त टॉप-अप कवर मिलता है (जो परिवार के छोटे सदस्यों के साथ साझा नहीं किया जाता)।

मौजूदा लाभार्थियों के लिए विकल्प:

- अन्य सार्वजनिक स्वास्थ्य योजनाओं (CGHS, ECHS, CAPF) वाले वरिष्ठ नागरिक अपनी वर्तमान योजना या AB PM-JAY में से चुन सकते हैं।
- निजी स्वास्थ्य बीमा या कर्मचारी राज्य बीमा वाले वरिष्ठ नागरिक भी AB PM-JAY लाभ का विकल्प चुन सकते हैं।

AB PM-JAY का अवलोकन:

- दुनिया की सबसे बड़ी सार्वजनिक रूप से वित्त पोषित स्वास्थ्य आश्वासन योजना।
- माध्यमिक और तृतीयक देखभाल अस्पताल में भर्ती होने के लिए प्रति परिवार प्रति वर्ष ₹5 लाख का स्वास्थ्य कवर प्रदान करता है।
- 12.34 करोड़ परिवारों में 55 करोड़ व्यक्तियों को कवर करता है।
- उम्र की परवाह किए बिना सभी परिवार के सदस्यों को कवर करता है।
- 7.37 करोड़ से अधिक अस्पताल में भर्ती, 49% महिला लाभार्थी।
- कुल लाभ ₹1 लाख करोड़ से अधिक है।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए विस्तार:

- अप्रैल 2024 में, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को कवर करने के लिए विस्तार की घोषणा की।
- भारत भर के वरिष्ठ नागरिकों को प्रति वर्ष ₹5 लाख का निःशुल्क स्वास्थ्य सेवा कवरेज मिलेगा।

लाभार्थी आधार का विस्तार:

- शुरुआत में 10.74 करोड़ गरीब और कमजोर परिवारों (भारत की आबादी का सबसे निचला 40%) को कवर किया गया।
- जनसंख्या वृद्धि के कारण जनवरी 2022 में इसे संशोधित कर 12 करोड़ परिवारों को शामिल किया गया। इसके बाद इसमें 37 लाख आशा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका और उनके परिवारों को शामिल किया गया।

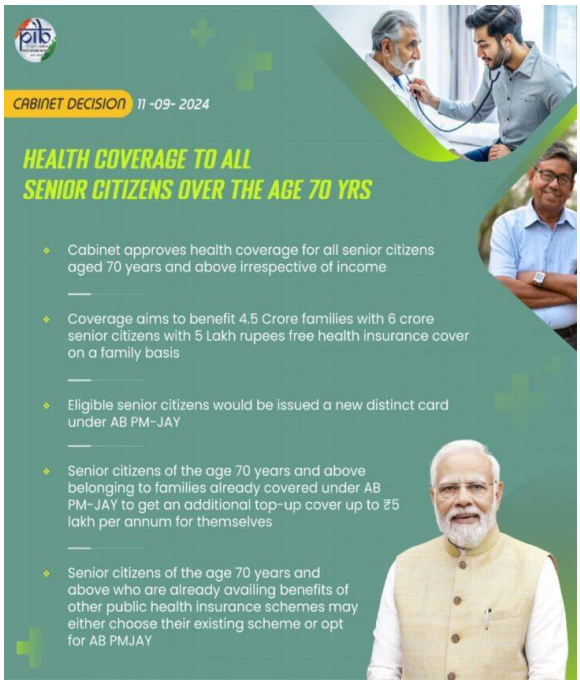

जल विद्युत परियोजनाएँ (HEPs)

चर्चा में क्यों?

हाल ही में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने जलविद्युत परियोजनाओं को बजटीय सहायता हेतु संशोधित योजना को मंजूरी दी।

- **अवधि:** योजना वित्त वर्ष 2024-25 से वित्त वर्ष 2031-32 तक चलेगी।
- **कुल आवंटन:** ₹12,461 करोड़।
- **लक्ष्य क्षमता:** 31,350 मेगावाट की संचयी उत्पादन क्षमता वाली जल विद्युत परियोजनाओं को सहायता प्रदान करता है।
- निजी क्षेत्र की परियोजनाओं सहित 25 मेगावाट से अधिक की परियोजनाओं पर लागू होता है।
- लगभग 15,000 मेगावाट की कुल क्षमता वाली परियोजनाओं को कवर करता है।

वित्त पोषण का दायरा:

- ट्रांसमिशन लाइनें, पूलिंग सबस्टेशन
- रोपवे, रेलवे साइडिंग और संचार अवसंरचना का विकास
- परियोजना स्थलों तक जाने वाली सड़कों और पुलों का उन्नयन

बजटीय सहायता सीमाएँ:

- 200 मेगावाट तक की परियोजनाओं के लिए ₹1 करोड़ प्रति मेगावाट
- 200 मेगावाट से अधिक की परियोजनाओं के लिए ₹200 करोड़ + ₹0.75 करोड़ प्रति मेगावाट
- असाधारण मामलों में सहायता ₹1.5 करोड़ प्रति मेगावाट तक जा सकती है

लागत मूल्यांकन के बाद बजटीय सहायता प्रदान की जाएगी:

- निवेश और सार्वजनिक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग (डीआईबी)
- सार्वजनिक निवेश बोर्ड (पीआईबी)
- सक्षम प्राधिकारी द्वारा अंतिम अनुमोदन

विविध

भारतीय मसाला बोर्ड

चर्चा में क्यों?

भारतीय मसाला बोर्ड ने इलायची उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए '**कार्ड्सऐप**' नामक एक मोबाइल एप्लीकेशन शुरू किया है।

- **कार्यक्रम:** भारतीय इलायची अनुसंधान संस्थान, माइलाडुम्परा, इडुक्की।
- **उद्घाटनकर्ता:** मसाला बोर्ड के सचिव के.जी. जगदीश

कार्ड्सऐप मोबाइल एप्लीकेशन:

- इलायची उत्पादन को बढ़ाने के उद्देश्य से।
- महत्वपूर्ण मृदा परीक्षण परिणाम और मृदा उर्वरता मानचित्र प्रदान करता है।
- उडुंबनचोला और इडुक्की क्षेत्रों के 19 गांवों के नमूनों को शामिल करता है।

मसाला इनक्यूबेशन सेंटर- तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, कोयंबटूर में मसाला इनक्यूबेशन सेंटर और किसान सेवा केंद्र, एक समर्पित किसान सुविधा केंद्र का शुभारंभ किया।

- किसान सेवा केंद्र का उद्देश्य मसाला किसानों को सहायता प्रदान करना और कृषि क्षेत्र में विभिन्न चुनौतियों का समाधान प्रदान करना है।

नागरिक उड्डयन पर दूसरा एशिया प्रशांत मंत्रिस्तरीय सम्मेलन

चर्चा में क्यों?

नागरिक उड्डयन पर दूसरा एशिया प्रशांत मंत्रिस्तरीय सम्मेलन दिल्ली घोषणापत्र को सर्वसम्मति से अपनाए जाने के साथ संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का विवरण:

- 11 से 12 सितंबर, 2024 तक भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।
- अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (ICAO) के सहयोग से भारत सरकार के नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा आयोजित किया गया।
- मंत्रियों, नीति निर्माताओं और आठ अंतरराष्ट्रीय संगठनों सहित 29 देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

दिल्ली घोषणापत्र को अपनाना:

- एशिया-प्रशांत विमानन क्षेत्र में क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ाने, चुनौतियों का समाधान करने और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए एक व्यापक ढांचे के रूप में सर्वसम्मति से अपनाया गया।
- सम्मेलन का प्रमुख परिणाम, क्षेत्रीय सहयोग में एक महत्वपूर्ण बिंदु साबित हुआ।

प्रधानमंत्री मोदी का संबोधन:

- भारत की विमानन प्रगति पर प्रकाश डाला, जिसमें कहा गया कि 15% भारतीय पायलट महिलाएं हैं, जो वैश्विक औसत 5% से अधिक है।
- विमानन क्षेत्र को अधिक समावेशी और सुलभ बनाने के महत्व पर जोर दिया।
- भगवान बुद्ध से संबंधित पवित्र स्थलों को एशिया भर में जोड़ने के लिए "अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध सर्किट" के निर्माण का प्रस्ताव रखा, जिससे नागरिक उड्डयन, पर्यटन और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्थाओं को लाभ होगा।

विमानन परिवर्तन:

- नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने 2047 तक 350-400 हवाई अड्डे स्थापित करने के भारत के लक्ष्य की सराहना की।
- "एक पेड़ मा के नाम" पहल का उल्लेख किया, जिसके तहत ICAO के 80 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 80,000 पौधे लगाए गए।

ICAO की भूमिका:

- ICAO के अध्यक्ष साल्वाटोर ने विमानन क्षेत्र में सुरक्षा और संरक्षा के महत्व पर जोर दिया।
- ICAO ने विमानन चुनौतियों से जूझ रहे छोटे देशों की सहायता के लिए प्रशांत लघु द्वीप विकासशील राज्य संपर्क कार्यालय की स्थापना की योजना भी प्रस्तुत की।

स्मरणोत्सव:

- आईसीएओ की 80वीं वर्षगांठ और शिकागो कन्वेंशन का जश्न मनाया गया, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय विमानन मानकों को आकार देने में इसकी भूमिका को मान्यता दी गई।

पुरस्कार एवं सम्मान

राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार

चर्चा में क्यों?

भारत के राष्ट्रपति ने वर्ष 2024 के लिए 15 लोगो को राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार प्रदान किया।

राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार के बारे में

- यह पुरस्कार नर्सों और नर्सिंग पेशेवरों द्वारा समाज को दी गई सराहनीय सेवाओं के लिए मान्यता के रूप में दिया जाता है।
- इसकी स्थापना 1973 में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा की गई थी।
- प्रत्येक पुरस्कार में योग्यता का प्रमाण पत्र, 1,00,000/- रुपये का नकद पुरस्कार और एक पदक शामिल है।
- फ्लोरेंस नाइटिंगेल एक ब्रिटिश नर्स, सांख्यिकीविद् और समाज सुधारक थीं, जो आधुनिक नर्सिंग की संस्थापक दार्शनिक थीं।

निधन

सीताराम येचुरी

चर्चा में क्यों?

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के वरिष्ठ नेता सीताराम येचुरी का निधन हो गया।

सीताराम येचुरी: भारतीय वामपंथी राजनीति के दिग्गज

शुरुआती राजनीतिक भागीदारी:

- जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (JNU), दिल्ली में एक छात्र के रूप में सक्रियता शुरू की।
- JNU छात्र संघ के अध्यक्ष चुने गए।
- CPI(M) की छात्र शाखा, स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (SFI) में शामिल हुए।

CPI(M) में करियर:

- 1975 में औपचारिक रूप से CPI(M) में शामिल हुए।
- एक प्रमुख प्रवक्ता के रूप में पार्टी के पदों पर पहुंचे।
- मजदूर अधिकारों, भूमि सुधारों और धर्मनिरपेक्षता की वकालत की।

संसदीय भूमिका:

- 2005 से 2017 तक राज्यसभा के सदस्य।
- अपने वाद-विवाद और नेतृत्व कौशल के लिए राजनीतिक विरोधियों से भी सम्मान प्राप्त किया।

महासचिव के रूप में नेतृत्व:

- प्रकाश करात के बाद 2015 में CPI(M) के महासचिव चुने गए।
- चुनावी प्रभाव में गिरावट के दौर में पार्टी का नेतृत्व किया, खास तौर पर 2011 में पश्चिम बंगाल में हार के बाद।
- वामपंथी और धर्मनिरपेक्ष दलों के साथ व्यापक गठबंधन की वकालत की, जिससे कुछ आंतरिक मतभेद पैदा हुए।

बिहार की राजनीति में सीताराम येचुरी की भूमिका:

- सीताराम येचुरी, एक पूर्व छात्र नेता, 1990 में बिहार की राजनीति में गहराई से शामिल हो गए, सीपीआई (एम) की केंद्रीय समिति में शामिल होने के बाद नियमित रूप से राज्य का दौरा किया।
- **लालू प्रसाद की सरकार के लिए समर्थन:** सीपीआई (एम) ने 1990 में लालू प्रसाद की सरकार को बाहर से समर्थन दिया, और येचुरी ने बिहार में बड़ी जिम्मेदारी संभाली।
- **गरीब विरोधी नीतियों का विरोध करने में भूमिका:** येचुरी ने गरीबों को प्रभावित करने वाले मुद्दों पर लालू प्रसाद की सरकार का विरोध करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, खासकर पशुपालन घोटाले के दौरान, ताकि भाजपा या कांग्रेस को राज्य में सत्ता हासिल करने से रोका जा सके।

❖ **भूमि संघर्ष:** 1990-94 के बीच, येचुरी ने एक महत्वपूर्ण भूमि संघर्ष में सीपीआई (एम) का नेतृत्व किया, जिसके परिणामस्वरूप हजारों एकड़ भूमि को मुक्त कराया गया, जिससे बिहार में भाजपा या कांग्रेस के उदय को रोकने के लिए सरकार के समर्थन और विरोध को संतुलित किया गया।

संक्षिप्त समाचार

❖ मोहम्मद तैयब इकराम दूसरे कार्यकाल के लिए फेडरेशन इंटरनेशनेल हॉकी (FIH- अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ) के अध्यक्ष बनना तय हैं। वे 2022 से FIH के 13वें अध्यक्ष के रूप में कार्य कर रहे हैं।

❖ यूनियन बैंक ऑफ इंडिया कार्बन अकाउंटिंग फाइनेंशियल्स (PCAF) के लिए साझेदारी का हस्ताक्षरकर्ता बन गया है।

❖ PCAF वित्तीय संस्थानों की एक वैश्विक साझेदारी है जो ऋण और निवेश से जुड़े ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का आकलन और खुलासा करने के लिए एक सामंजस्यपूर्ण दृष्टिकोण विकसित करने और लागू करने के लिए काम कर रही है।

❍❍❍❍

PW Web/App: https://smart.link/7wwosivoicgd4
For more such content, subscribe to our Telegram Channelhttps://t.me/pw_upsc
PSC WALLAH